



अबुआ खबर

ABUA KHABAR



कृषि विज्ञान केंद्र, खूंटी

दियोकल, तोरपा, खूंटी-835227
भाकृअनुप-राष्ट्रीय कृषि उच्चतर प्रसंस्करण संस्थान, रांची-झारखण्ड
(An ISO 9001: 2015 Certified)

Vol: 01

Issue-01

April to June 2024

Quarterly e-News Letter

संरक्षक
PATRON

डॉ. अभिजीत कर
Dr. Abhijit Kar

मुख्य संपादक
Chief Editor

डॉ. दीपक राय
Dr. Deepak Rai

वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष
Senior Scientist & Head

संपादक मंडल
Editorial Team

डॉ. राजन चौधरी
Dr. Rajan Chaudhari

डॉ. गव्हाणे किशोर पांडुरंग
Dr. Gavhane Kishor Pandurang

डॉ. मीर मुनीब रफीक
Dr. Mir Muneeb Rafiq

श्री ओम प्रकाश
Shri Om Prakash

डॉ. निखिल राज एम
Dr. Nikhil Raj M

डॉ. प्रदीप कुमार
Dr. Pardeep Kumar

श्री बृजराज शर्मा
Mr. Brijraj Sharma

तकनीकी सहयोग
Technical Support

श्री धर्मेन्द्र सिंह
Mr. Dharmendra Singh

श्री आशुतोष प्रभात
Mr. Ashutosh Prabhat

प्रकाशक

कृषि विज्ञान केंद्र
खूंटी-835227
भाकृअनुप-राकृउप्रसं.
रांची, झारखण्ड

Publisher

KRISHI VIGYAN KENDRA
KHUNTI -835227
ICAR-NISA
Ranchi, Jharkhand

ई-मेल: kvkhhunti@gmail.com
वेबसाइट: https://khunti.kvk4.in

विश्व पर्यावरण दिवस (World Environment Day)



5 जून 2024 को विश्व पर्यावरण दिवस, "हमारी भूमि हमारा भविष्य। हम पीढ़ी पुनर्स्थापन हैं" के नारे के तहत, भूमि पुनर्स्थापन, मरुस्थलीकरण और सूखे से निपटने पर केंद्रित है। सऊदी अरब साम्राज्य के द्वारा 2024 के वैश्विक समारोहों की मेज़बानी की गयी। विश्व पर्यावरण दिवस मनाने का मुख्य उद्देश्य जलवायु परिवर्तन, मरुस्थलीकरण और जैव विविधता के हास जैसी पर्यावरणीय चुनौतियों से निपटने के लिए स्थायी प्रथाओं को अपनाना है। यह दिवस इन मुद्दों के बारे में जागरूकता बढ़ाने और स्थायी कृषि जैसे समाधानों को बढ़ावा देने के लिए एक मंच प्रदान करता है, जिससे पर्यावरणीय स्वास्थ्य और कृषि उत्पादकता दोनों में सुधार हो सकता है। भारत में कृषि मौसम के मिजाज पर बहुत अधिक निर्भर है, जिससे यह अनियमित वर्षा और बढ़ते तापमान जैसे जलवायु परिवर्तन के प्रभावों के प्रति संवेदनशील हो जाती है। विश्व पर्यावरण दिवस कृषि आपदाओं को कम करने के लिए जलवायु-अनुकूल कृषि विधाओं की आवश्यकता पर जोर देता है।

World Environment Day 5 June 2024 focuses on land restoration, desertification, and drought resilience, under the slogan "Our Land. Our Future. We are Generation Restoration." The Kingdom of Saudi Arabia will host the 2024 global celebrations.

Main aim of celebration of world environment day for sustainable practices to combat environmental challenges like climate change, desertification, and biodiversity loss. The day serves as a platform to raise awareness about these issues and promote solutions like sustainable agriculture, which can improve both environmental health and agricultural productivity. In India agriculture is heavily reliant on weather patterns, making it vulnerable to climate change impacts like erratic rainfall and increased temperatures. World Environment Day emphasizes the need for climate-resilient agricultural practices to mitigate these risks.

के.वी.के. खूँटी द्वारा अप्रैल से जून 2024 में आयोजित विभिन्न गतिविधियों का विवरण : KVK, KHUNTI ORGANIZED DIFFERENT ACTIVITIES FROM APRIL TO JUNE, 2024:

A. खेत पर परीक्षण (ओएफटी):

यह किसानों के खेत पर उनके कृषि प्रणाली परिप्रेक्ष्य में उनकी सक्रिय भागीदारी और केवीके वैज्ञानिकों की देखरेख में प्रबंधन के तहत किए गए दत्तक शोध का एक तरीका है। इसका उद्देश्य वास्तविक बढ़ती परिस्थितियों में उत्पादन प्रथाओं का मूल्यांकन करना है।

1. चावल की फसल की उन्नत किस्मों का मूल्यांकन।

खरीफ सीजन के दौरान लगभग 80% क्षेत्र को कवर करती है। हालांकि, किसान मुख्य रूप से लालाट जैसी पुरानी धान की किस्मों का उपयोग करते हैं, जिसके परिणामस्वरूप कम उत्पादकता होती है। इस मुद्दे को हल करने के लिए, विभिन्न चावल किस्मों के साथ ऑन-फार्म परीक्षण आयोजित करना

जो उपज विशेषताओं, अनाज की उपज, अर्थशास्त्र और स्थानीय परिस्थितियों के

अनुकूलता

के संदर्भ में उनके प्रदर्शन का मूल्यांकन और तुलना करने में मदद कर सकता है। यह OFT खूँटी जिले के केंद टोली (तोरपा), निशितपुर (तोरपा) और सेल्दा (मुर्हू) गाँवों में तीन उपचारों और तीन परीक्षणों के साथ आयोजित किया गया था। परिणाम से पता चलता है कि स्वर्ण की उपज शक्ति में 50% की वृद्धि हुई (लालत) किसान प्रथाओं में। स्वर्ण में अधिकतम शुद्ध लाभ पाया गया शक्ति यानी 40840 रु . प्रति हैक्टेयर ⁻¹ उसके बाद सीआर-320 (34860 रु . प्रति हैक्टेयर ⁻¹)

2. रागी फसल की उन्नत किस्म का मूल्यांकन:

खरीफ सीजन में चावल के बाद खूँटी जिले में रागी दूसरी महत्वपूर्ण अनाज की फसल है। हालांकि, किसान मुख्य रूप से रागी की पुरानी किस्मों का उपयोग करते हैं, जिसके परिणामस्वरूप कम उत्पादकता होती है। इस मुद्दे को हल करने के लिए, रागी की विभिन्न किस्मों के साथ खेत पर परीक्षण करना जो उपज विशेषताओं, अनाज की उपज, अर्थशास्त्र और स्थानीय परिस्थितियों के अनुकूलता के संदर्भ में उनके प्रदर्शन का मूल्यांकन और तुलना करने में मदद कर सकता है। यह OFT खूँटी जिले के केयोदाटोली (तोरपा) और कोटेंगर (रानियां) गाँव में आयोजित किया गया था। परिणाम दिखाते हैं कि बिरसा मडुआ-3 की उपज में किसानों के अभ्यास से 70% की वृद्धि हुई। अधिकतम शुद्ध लाभ बिरसा मडुआ-3 यानी 44779 रुपये प्रति हेक्टेयर ⁻¹ में पाया गया, उसके बाद GPU-28 (31909 रुपये प्रति हेक्टेयर ⁻¹) का स्थान रहा।

A. On Farm Trial (OFT):

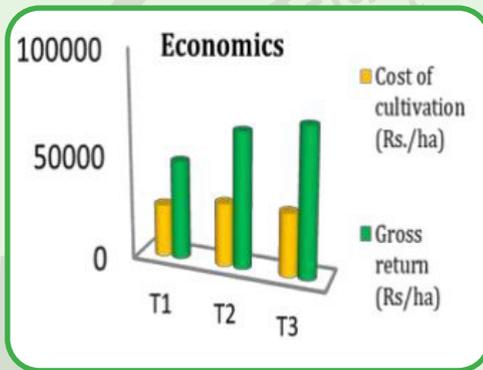
This is an approach of adoptive research conducted on farmer's field within their farming system perspective in their active participation and management under supervision of KVK scientists. The objective is to evaluate production practices under realistic growing conditions.

1. Evaluation of improved varieties of rice crop.

Rice is a major cereal crop in Khunti district, covering around 80% of the area during the Kharif season. However, farmers predominantly use older paddy varieties, like Lalat, which results in low productivity. To address this issue, conducting on-

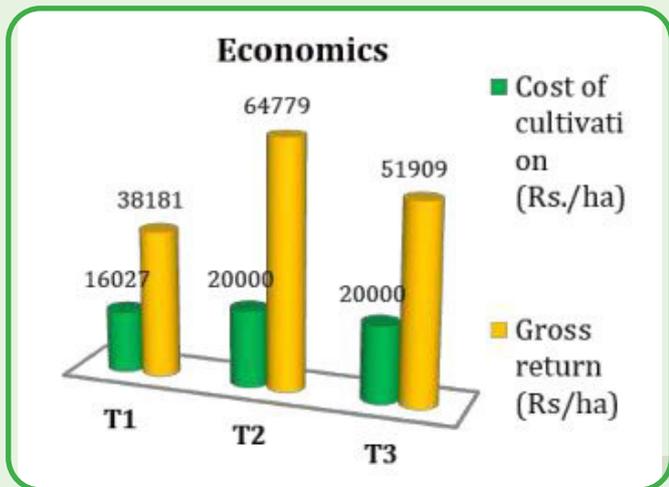
farm trials with different rice varieties which can help to evaluate and compare their performance in terms of yield attributes, grain yield,

economics and adaptability to local conditions. This OFT was conducted in village Kendtoli (Torpa), Nishitpur (Torpa) and Selda (Murhu) of Khunti district with three treatments and three trials. Result shows that Yield of swarn shakti was increased 50% of farmer practices (lalat). Maximum net return were found in swarn shakti i.e. 40840 Rs. ha⁻¹ followed by CR-320 (34860 Rs. ha⁻¹)



2. Evaluation of improved variety of finger millet crop:

Finger millet is a 2nd important cereal crop in Khunti district after the rice in the Kharif season. However, farmers predominantly use older finger millet varieties which results in low productivity. To address this issue, conducting on-farm trials with different finger millet varieties which can help to evaluate and compare their performance in terms of yield attributes, grain yield, economics and adaptability to local conditions. This OFT was conducted in village Keyodatoli (Torpa) and Kotenger (Raniya) of Khunti district. Result shows that yield of birsa Madua-3 was increased 70% of farmer practices. Maximum net return were found in birsa Madua-3 i.e. 44779 Rs. ha⁻¹ followed by GPU-28 (31909 Rs. ha⁻¹).



B. अग्रिम पंक्ति प्रदर्शन (एफएलडी) :

क्र. सं.	फसल/उद्यम	प्रौद्योगिकी प्रदर्शन	क्षेत्रफल (हेक्टेयर)	प्रदर्शन की संख्या
1.	धान का खेत	स्वर्ण श्रेया	24	125
2.	रागी	ए-404	20	60

B. Front Line Demonstrations (FLD):

S.N.	Crop	Technology Demonstration	Area (ha.)	No. of Demo
1.	Paddy	Swarn Shreya	24	125
2.	Finger millet	A-404	20	60

C. प्रशिक्षण कार्यक्रम : यह गतिविधि किसानों के ज्ञान को उन्नत करने और क्षेत्र की समस्याओं को कम करने के लिए आयोजित की गई थी। केवीके, खूंटी ने अप्रैल से जून 2024 तक 16 प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए, जिनमें 400 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

C. Training Programs : This activity was organized to upgrade the knowledge and mitigate the field problems of farmers. KVK, Khunti organized 16 training programs from April to June 2024 where 400 participants were participated.



प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन

D. अन्य प्रसार गतिविधियाँ : जन जागरूकता के लिए केवीके, खूंटी द्वारा विभिन्न प्रकार की विस्तार गतिविधियाँ आयोजित की गईं जिसके अंतर्गत 110 कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिनमें 10205 (पुरुष-4500 और महिला 6205) शामिल हुए। किसानों और विस्तार कर्मियों ने भाग लिया विवरण इस प्रकार है:

D. Other Extension Activities : For mass awareness different types of extension activities had conducted by KVK, Khunti. Under which 110 programs were organized where 10205 (male-4500 & female 6205) farmers and extension personnel participated. Details are as follows



जैविक खेती पर गोष्ठी



वृक्षारोपण अभियान के तहत पौधा वितरण



किसान वैज्ञानिक संवाद

E. महिला सशक्तिकरण : खूंटी जिले की आदिवासी महिलाएँ कृषि में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं, इसका उद्देश्य जागरूकता कार्यक्रमों के माध्यम से महिला किसानों को स्वयं सहायता समूह (एसएचजी) बनाने के लिए प्रेरित करना, क्षमता निर्माण, एफएलडी, ओएफटी अन्य विस्तार गतिविधियों और कृषि उपकरणों/उपकरणों की उपलब्धता के माध्यम से उन्हें तकनीकी सहायता प्रदान करना है ताकि उन्हें साल भर आय उत्पन्न करने के लिए प्रेरित किया जा सके। वर्ष 2024 में लगभग 30800 कृषि महिलाएँ केवीके गतिविधियों में भाग लेंगी।

E. Women Empowerments : Khunti district tribal women play important role in agriculture, the aim of to mobilize women farmers to form self-help groups (SHGs) through awareness programs, provide them technical assistance through capacity building, FLDs, OFTs other extension activities and availability of farm equipment/ implements to motivate them to generate income round the year. In the year 2024 approx. 30800 farm women were participated in KVK activities.



महिला समूहों को कृषि यंत्र वितरण

F. अनुसूचित जाति उपयोजना (एससीएसपी) योजना : अनुसूचित जातियों के लाभ के लिए विकास के सभी सामान्य क्षेत्रों से लक्षित वित्तीय और भौतिक लाभों का प्रवाह सुनिश्चित करने के लिए एक व्यापक रणनीति। झारखंड के खूंटी जिले में अनुसूचित जाति की आबादी की आजीविका में सुधार करने के लिए, एक्सपोजर दौरे (200 किसान) आयोजित किए गए और मछली पकड़ने के जाल (150), मैनुअल सीड प्लांटर (1) और विवेक वितरित किए गए। मडुआ थ्रेशर और पर्लर-1 (1), वर्ष 2024 में ऑयस्टर मशरूम उगाने वाली इकाइयाँ (27)।

F. Schedule caste Sub Plan (SCSP) Scheme: An umbrella strategy to ensure flow of targeted financial and physical benefits from all the general sectors of development for the benefit of Scheduled Castes. To improve the livelihood of the Scheduled Caste population in Khunti district, Jharkhand, conducted exposure visits (200 farmers) and distributed fishing net (150), manual seed planter (1) and Vivek Madua Thresher & Pearler-1 (1), oyster mushroom growing units (27) in year 2024.



अनुसूचित जाति उपयोजना योजना अन्तर्गत निवेश वितरण कार्यक्रम

G. अन्य गतिविधियां:

- 1 **अन्य गतिविधियां :** कृषि क्षेत्र में ऊर्जा संरक्षण एवं जल संरक्षण पर कार्यशाला: केवीके, खूंटी और झारखंड अक्षय ऊर्जा विकास एजेंसी (जेआरईडीए) ने संयुक्त रूप से 12 जून, 2024 को केवीके, खूंटी में “कृषि क्षेत्र में ऊर्जा संरक्षण एवं जल संरक्षण” विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में 53 किसानों एवं अन्य स्टैक होल्डरों ने भाग लिया। कार्यशाला का उद्घाटन मुख्य अतिथि श्री रोहित सुरिन, ब्लॉक प्रमुख, तोरपा। विशेषज्ञ और केवीके के कर्मचारी प्राकृतिक संसाधन संरक्षण पर अपने विचार साझा करते हैं। कृषि उद्योग के बारे में जागरूक स्टैक धारकों को पानी की कमी और उच्च ऊर्जा लागत जैसी चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। इसलिए, नवीकरणीय ऊर्जा के स्रोतों का उपयोग पर्यावरणीय स्थिरता में योगदान दे सकता है, कार्बन पदचिह्न को कम कर सकता है और यह सुनिश्चित कर सकता है कि प्राकृतिक संसाधन भविष्य की पीढ़ियों के लिए संरक्षित हैं।



केवीके द्वारा ऊर्जा संरक्षण विषय पर कार्यशाला

G. Other activities:

- 1 **Workshop on energy conservation and water conservation in agriculture sector :** KVK, Khunti and Jharkhand Renewable Energy Development Agency (JREDA) jointly organized an workshop on “Energy conservation and water conservation in agriculture sector” on 12 June, 2024 at KVK, Khunti. In this program 53 farmers and other stack holders were participated. Workshop was inaugurated by chief guest, Shri Rohit Surin, Block Pramukh, Torpa. Experts and KVK personals share his views on natural resource conservation. Stack holders aware about the agriculture industry faces increasing challenges like water scarcity and high energy costs. So, the use of sources of renewable energy may contribute to environmental sustainability, reducing the carbon footprint and ensuring that natural resources are preserved for future generations.



- 2 **किसान सम्मान निधि की 17वीं किस्त के हस्तांतरण पर कार्यक्रम का सीधा प्रसारण सम्मान निधि**

केवीके ने “ पीएम किसान की 17वीं किस्त के हस्तांतरण” पर लाइव टेलीकास्ट कार्यक्रम आयोजित किया सम्मान निधि ” का आयोजन 18 जून, 2024 को केवीके खूंटी में किया गया। इस कार्यक्रम में केवीके , खूंटी के 103 किसानों और कृषक महिलाओं ने भाग लिया। इस कार्यक्रम का उद्घाटन माननीय प्रधानमंत्री श्री द्वारा किया गया। नरेंद्र मोदी ने वाराणसी .



- 2 **Live telecast program on “Transfer of 17th installment of PM Kisan Samman Nidhi**

KVK organized live telecast program on “Transfer of 17th instalment of PM Kisan Samman Nidhi” was organized on June 18th, 2024 at KVK Khunti. In this program 103 farmers and farm women were participated at KVK,Khunti. This program was inaugurated by Honorable Prime Minister Shri Narendra Modi from Varansi.



प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि हस्तांतरण कार्यक्रम का सजीव प्रसारण

H. प्रकाशन:

पुस्तकें:

- राघव दुष्यंत कुमार और राय, दीपक (2024). स्टोर ग्रेन पेस्ट ऑफ़ मेज एंड देयर मैनेजमेंट। लैप लैम्बर्ट एकेडमिक पब्लिशिंग, यूके पेज 1-105. (आईएसबीएन: 978-620-7-48820-9)
- कुमार, सचिन त्रिपाठी, सीमा; राय, दीपक; कुमार, संजीव एवं राघव, दुष्यंत कुमार (2024). फंडामेंटल ऑफ़ एंटोमोलोजी इलीट पुब्लिशिंग हाउस, रोहिणी, नई दिल्ली पेज 1-166 (आईएसबीएन: 978-93-5899-794-1)

पुस्तक के अध्याय:

- राय, दीपक; राघव, दुष्यंत; नौटियाल, पंकज और कुमार, सतेन्द्र (2024). सेब के प्रमुख कीट एवं उनका प्रबंधन. सेब की वैज्ञानिक खेती. केवीके, आईसीएआर-सीएसएसआरआई, हरदोई II, यूपी, पेज. 67-74. (आईएसबीएन: 978-93-340-7924-1)

शोध पत्र:

- कोटियाल, किरण; नौटियाल, पंकज; सिंह, मोहित; सेमवाल, अंकित; राय, दीपक; पपनै, गौरव; नौटियाल, चंदा टी; मलाथी, जी. एवं कृष्णवेणी, एस. आनंद (2024)। एडवांसमेंट एंड चैलेंजेज इन आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एप्लीकेशन : ए काम्प्रेन्सिव रिव्यू। जर्नल ऑफ़ साइंटिफिक रिसर्च एंड रिपोर्ट्स, 30 (10), 375-385। (नास रेटिंग 5.17)

सफलता की कहानी:

- राय, राजीव रंजन; एंलो, पुष्पराज; सुब्रमण्यम, शिनोज; कुमार, दिलीप; राय, दीपक; विश्वनाथन, आर.; और प्रकाश, ब्रह्म (2024). रेस्टोरिंग द लास्ट ग्लोरी ऑफ़ अलंगदम जैगेरी इन केरला एन्तरेप्रेन्युरशिप डेवलपमेंट, एम्प्लोयेमन्ट जनरेशन एंड इनकम इनहंस्मेंट। एग्री आर्टिकल्स, 04(05), पृ. 841-84.
- नौटियाल, पंकज और राय, दीपक (2024). शीतोष्ण फलों में पौध रोपण प्रबंधन . द पहाड़ी कृषि. ई - मैगज़ीन, 2 (1), पेज 5-8.

पुरस्कार:

- डॉ. दीपक राय, वरिष्ठ वैज्ञानिक सह प्रमुख, केवीके, खूंटी को 19-21 अप्रैल, 2024 तक एग्री मीट फाउंडेशन यूपी और सीसीएसएचएयू, हिसार, हरियाणा द्वारा आयोजित "आत्मनिर्भर भारत के लिए कृषि में हालिया प्रगति" पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के अवसर पर कीट विज्ञान के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान और मान्यता के लिए प्रतिष्ठित वैज्ञानिक पुरस्कार से सम्मानित किया गया है।
- डॉ दीपक राय , वरिष्ठ वैज्ञानिक सह प्रमुख, केवीके, खूंटी को सैम हिगिन बॉटम यूनिवर्सिटी ऑफ़ एग्रीकल्चर टेक्नोलॉजी एंड साइंस, प्रयागराज, आरएस कृषि द्वारा आयोजित "कृषि, व्यवसाय और प्रौद्योगिकी पर

H. Publication:

Books:

- Ragav Dushyant Kumar and Rai, Deepak (2024). Store Grain Pest of maize and Their Management. Lap Lambert Academic Publishing, U.K. pp. 1-105. (ISBN: 978-620-7-48820-9)
- Kumar, Sachin. Tripathi, Seema; Rai, Deepak; Kumar, Sanjeev and Raghav, Dushyant Kumar (2024). Fundamentals of Entomology. Elite Publishing House, Rohini, New Delhi. Pages 1-166 (ISBN: 978-93-5899-794-1)

Book Chapters:

- Rai, Deepak; Raghav, Dushyant; Nautiyal, Pankaj and Kumar, Satendra (2024). *Seb ke Pramukh Keet evm Unka Niyantran. Seb Ki Vaigyanik Kheti.* pp. 67-74. (ISBN: 978-93-340-7924-1)

Research Paper:

- Kotyal, Kiran; Nautiyal, Pankaj; Singh, Mohit; Semwal, Ankit; Rai, Deepak; Papnai, Gaurav; Nautiyal, Chanda T; Malathi, G. and Krishnaveni, S. Anandha (2024). Advancements and Challenges in Artificial Intelligence Applications : A Comprehensive Review. Journal of Scientific Research and Reports, 30 (10), 375-385. (NAAS rating 5.17)

Success Story:

- Rai, Rajiv Ranjan; Anglo, Pushpraj; Subramannian, Shinoj; Kumar, Dilip; Rai, Deepak; Viswanathan, R.; and Prakash, Brahm (2024). Success Story of Restoring the Lost Glory of Alangadan Jaggery in Kerala for Entrepreneurship Development, Employment Generation and Income Enhancement. *Agri Articles*, 04(05), pp. 841-84. Popular articles:
- Nautiyal, Pankaj and Rai, Deepak (2024). Shetoshan Falon Men Paudh Ropan Prabandhan. *The Pahadi Agriculture e- Magazine*, 2(1), pp. 5-8.

Award:

- Dr. Deepak Rai, Senior Scientist cum Head, KVK, Khunti has been honored with Distinguished Scientist Award for outstanding contribution and recognition in the field of entomology on the occasion of International conference on "Recent Advances in Agriculture for Atmnr Bharat" organized by Agri Meet Foundation U.P. & CCSHAU, Hisar, Haryana from 19-21 April, 2024.
- Dr. Deepak Rai, Senior Scientist cum Head, KVK, Khunti has been honored with Best Senior Scientist Award for outstanding contribution and recognition in the field of entomology on the occasion of

पारिस्थितिक प्रभाव" विषय पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के अवसर पर कीट विज्ञान के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान और मान्यता के लिए सर्वश्रेष्ठ वरिष्ठ वैज्ञानिक पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। सोध संस्थान, प्रयागराज, कृषि एवं वानिकी विश्वविद्यालय, चितवन, नेपाल 18-19 जून, 2024।

International conference on "Ecological Impact on Agriculture, Business and Technology" organized by Sam Higgin bottom Uni. Of Agri. Tech. and Science, Prayagraj, R.S. Krishi Sodh Sansthan, Prayagraj, Agriculture and Forestry University, Chitwan, Nepal from 18-19 June, 2024.

I. कृषि सलाह

- अप्रैल से जून तक खूंटी क्षेत्र के लिए, किसानों को भूमि की तैयारी और आहू धान (कम ऊंचाई) और खरीफ मक्का (सभी ऊंचाई) की बुवाई पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। उन्हें नर्सरी भी तैयार करनी चाहिए और ऊंचाई वाले क्षेत्रों में टमाटर बोना चाहिए। ग्रीष्मकालीन आलू (उच्च ऊंचाई वाले) और आहू धान (निम्न ऊंचाई वाले) की कटाई भी की जाएगी। इसके अतिरिक्त, टमाटर, धान सहित विभिन्न फसलों की निराई, टॉप ड्रेसिंग और मिट्टी चढ़ाना महत्वपूर्ण गतिविधियाँ होंगी।

I. Advisory Services:

- For Khunti region from April to June, farmers should focus on land preparation and sowing of paddy (low altitude) and Kharif maize (all altitude). They should also prepare nurseries and sow tomatoes in high altitude areas. Summer potatoes (high altitude) and paddy (low altitude) will also be harvested. Additionally, weeding, top dressing and earthing up of various crops including tomato and paddy will be important activities.



सफलता की कहानी - किसान की जुबानी



Name

Mr. Balraam Swansi

Address:

Village - Manhatu
Panchayat - Banai
Block - Raniya
District - Khunti, Jharkhand
Mob. - 9955171433

श्री बलराम स्वांसी, गांव- मनहातु, ब्लॉक- रनिया, जिला- खूंटी के एक प्रगतिशील किसान हैं, उन्होंने 1 हेक्टेयर भूमि में चावल की किस्मों सहभागी धान और स्वर्ण श्रेया की खेती की है। OFT के तहत कृषि विज्ञान केंद्र द्वारा उनके भूखंड पर धान का परीक्षण किया गया था। यह ब्लॉक-स्तरीय कृषि सलाहकार सेवाओं के बाद कृषि वैज्ञानिकों द्वारा मौसम के पूर्वानुमान और अवलोकनों पर आधारित था। इस परीक्षण में, उन्होंने अपनी सिंचाई, उर्वरक, साथ ही कीटनाशक के प्रयोग और चावल की कटाई के बाद के भंडारण का प्रबंधन किया। वह जिला कृषि-मौसम इकाई (DAMU) व्हाट्सएप ग्रुप द्वारा दिए गए निर्देशों का भी पालन करते हैं। खरीफ मौसम में बारिश के पूर्वानुमान के आधार पर चावल की रोपाई में समय पर मानव श्रम संचालन के कारण मानव श्रम और उर्वरक में उनकी इनपुट लागत 7500/- रुपये कम हो गई।

Mr. Balraam Swansi, a progressive farmer of Village-Manhatu, Block- Raniya, Dist. - Khunti, he has cultivated rice varieties Sahabhagi Dhan and Swarn Sreya in 1 Hac. land. Paddy was tested on its plot by the Krishi Vigyan Kendra under OFT. This was based on the weather forecasts and observations by agricultural scientists following block-level agromet advisory services. This trial, he managed his irrigation, fertiliser, as well as pesticide application, and also post-harvest storage of rice. He also follows instructions provided by the District Agro-met Unit (DAMU) Whatsapps Group. His input cost in human labour and fertiliser was minimised by Rs. 7500/- due to timely human labour operation at the transplanting of rice based on the forecast of rain in the Kharif season.



हर कदम, हर डगर

किसानों का हमसफर

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद

Agrisearch with a human touch